Q. थकान एवं निरसता में अन्तर बताएँ।
Distinguish between fatigue and monotony.

थकान एवं निरसता एक दूसरे से काफी मिलते जुलते हैं। परन्तु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इन दोनों पदों में निम्नलिखित अन्तर है—

(i) थकान सामान्य पद है जिसमें तीन प्रकार के थकान सम्मिलित होते हैं - औद्योगिक थकान (industrial fatigue), दैहिक थकान (physiological fatigue) तथा मनोवैज्ञानिक या मानसिक थकान (psychological or mental fatigue)।
निरसता एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक थकान है जिसमें दैहिक तथा औद्योगिक थकान शामिल नहीं होता।

(ii) थकान की उत्पत्ति पिछली क्रियाओं की पुनरावृत्ति से हो भी सकती है या नहीं भी हो सकती है।
जबकि निरसता की उत्पत्ति सिर्फ पुनरावृत्ति कार्यों से ही होती है।

(iii) थकान में सामान्यतः उत्पादन में ह्रास तथा काम करने वाले के खून में लैक्टिक अम्ल (Lactic acid) की मात्रा अधिक हो जाती है जिसके कारण आगे कार्य करने की इच्छा में कमी पाई जाती है।
निरसता में सांवेगिक अरुचि की अनुभूति नहीं होती है।

(iv) थकान की अभिव्यक्ति का उत्तम सूचक उत्पादन में ह्रास माना है। निरसता में उत्पादन में ह्रास हो यह आवश्यक नहीं।

Scanned with CamScanner

(v) थकान के दो मुख्य पहलुओं, दैहिक थकान तथा औद्योगिक थकान का मापन हो सकता है।
लेकिन नीरसता को मापना सम्भव नहीं है क्योंकि इसका स्वरूप मनोवैज्ञानिक होता है।

(vi) किसी कार्य से कार्यकर्ताओं में थकान, विशेष कर दैहिक या औद्योगिक थकान उत्पन्न हो रही है, उससे अन्य कार्यकर्ताओं में भी इस प्रकार की थकान उत्पन्न होने की संभावना अधिक होगी।
लेकिन नीरसता किसी कार्य का गुण नहीं होता है, बल्कि दिये हुए समय में कार्यकर्ता तथा उसके कार्य के संबंध का गुण होता है। यह जरूरी नहीं कि किसी कार्य में यदि एक को निरसता उत्पन्न हो रही है तो दूसरे को भी निरसता हो। दूसरे को वह कार्य रुचिकर लग सकता है।

(vii) सामान्यतः कार्य के प्रारंभ में थकान नहीं महसूस होती है, परन्तु कार्य के अंत में थकान अनुभव की जाती है।
नीरसता में ठीक इसके विपरीत होता है कार्य के प्रारंभ में नीरसता अधिक होती है लेकिन समय व्यतीत होने पर अंत में इसकी मात्रा काफी कम हो जाती है।
29 Sunday

उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि थकान और निरसता समान दिखते हैं लेकिन वैज्ञानिक रूप से ये सर्वथा भिन्न हैं।

Scanned with CamScanner